http://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक .....

नाम .....

101/1 301(MG)

2017

हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) 'सुखसागर' के रचनाकार हैं

i) इंशा अल्ला खाँ

ii) लल्लूलाल

iii) मुंशी सदासुख लाल

iv) राम प्रसाद निरंजनी । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ख) 'भारतेन्दु' के समकालीन लेखक हैं

i) रायकृष्ण दास

ii) शान्तिप्रिय द्विवेदी

iii) जैनेन्द्र कुमार

iv) ठाकुर जगमोहन सिंह । 1

ग) 'हिन्दी प्रदीप' पत्र के सम्पादक थे

i) बालमुकुन्द गुप्त

ii) रायकृष्ण दास

iii) बालकृष्ण भट्ट

iv) लाला भगवानदीन । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

घ) 'वाग्धारा' निबन्ध-संग्रह के लेखक हैं

i) भीष्म साहनी

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) यशपाल

iv) अमृतराय । 1

ङ) 'लक्ष्मीपुरा' रिपोर्ताज के लेखक हैं

i) रांगेय राघव

ii) शिवदान सिंह चौहान

iii) देवेन्द्र सत्यार्थी

iv) चतुरसेन शास्त्री । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

2. क) 'तारसप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है

i) 1953 ई०

ii) 1943 ई०

iii) 1935 ई०

iv) 1919 ई०। 1

ख) 'कला तथा बूढ़ा चाँद' के रचनाकार हैं

i) दिनकर

ii) अज्ञेय

iii) सुमित्रानन्दन पंत

iv) शिव मंगल सिंह 'सुमन' । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ग) "वैदेही-वनवास" के रचयिता हैं

i) शन्तिप्रिय द्विवेदी

ii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iii) रामचरित उपाध्याय

iv) सियाराम शरण गुप्त । 1

घ) छायावादी युग के कवि हैं

i) नरेन्द्र शर्मा

ii) भवानी प्रसाद सिंह

iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iv) गिरिजाकुमार भाभुर । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ङ) 'नई कविता' के महत्त्वपूर्ण कवि हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

iii) डॉ० जगदीश गुप्त

iv) लोचन प्रसाद पाण्डेय । 1

3. क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 6 = 7

i) नवीनीकरण में कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो, उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है । यदि सुस्पष्टता एवं निर्दिष्टता से कोई भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी । नये शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए । इस संदर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार कर सकें । अंग्रेजी भाषा शासकों की भाषा रही और

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

भाव-दासता की निशानी है – ऐसा सोचकर यदि हम नए शब्दों का निर्माण करने में लग जायँ तो नुकसान हमारा ही होगा, अंग्रेजों का नहीं ।

ii) पृथिवी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथिवी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नए भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए । राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोए हुए के समान हैं । विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है । यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम के द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए । हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रोता न रहे ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) दुःख ही भगवान् का अमृत है ।

ii) मनुष्य-मनुष्य के बीच मनुष्य ने ही कितनी दीवारें खड़ी की हैं ।

iii) सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है ।

4. क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 6 = 7

i) आए हो सिखावन कौं जोग मथुरा तैं तोपै
ऊधौ ये बियोग के बचन बतरावौ ना ।।
कहैं रतनाकर दया करि दरस दीन्यौ
दुख दरिबे कौं, तोपै अधिक बढ़ावौ ना ।।
टूक-टूक ह्वैहैं मन-मुकुट हमारौ हाय
चूकि हूँ कठोर बैन-पाहन चलावौ ना
एक मनमोहन तौ बसिकै उजार्‌यौ मोहिं
हिय मैं अनेक मनमोहन बसावौ ना ।।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ii) घिर रहे थे घुँघराले बाल

अंश अवलंबित मुख के पास;

नील घन-शावक-से सुकुमार

सुधा भरने को बिधु के पास ।

और उस मुख पर वह मुसक्यान

रक्त कि सलय पर ले विश्राम;

अरुण की एक किरण अम्लान

अधिक अलसाई हो अभिराम ।

ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) जनकर जननी ही न जान पाई जिसको

ii) गूँजते हैं सबके दिन चार, सभी फिर हाहाकार

iii) हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

5. निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक के जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 4

i) जैनेन्द्र कुमार

ii) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iv) वासुदेव शरण अग्रवाल ।

6. निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए : 4

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

7. क) 'बहादुर' **अथवा** 'कर्मनाशा की हार' कहानी के मुख्य पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 4

अथवा

'लाटी' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी की कथावस्तु प्रस्तुत कीजिए ।

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ii) 'आन का मान' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक की सामान्य विशेषताएँ लिखिए ।

iii) 'गरुडध्वज' नाटक के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक की सामान्य विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए ।

iv) 'सूतपुत्र' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के नायक के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

v) 'राजमुकुट' नाटक के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक की विशेषताएँ लिखिए ।

8. निम्नलिखित खण्डकाव्यों में से स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्डकाव्य से एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख घटनाएँ संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्रांकन कीजिए ।

ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की क्या विशेषता है ? सोदाहरण लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के अभिशाप सर्ग की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर सम्राट हर्षवर्धन के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

301(MG) - 2,20,000

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com